

गुरुजी बेड़ा पार दो

सतसंग में तेरे जो भी आता । खाली झोली भर ले जाता ॥

मैं भी आया तेरे द्वार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

इतनी कृपा सब पर करना । हाथ दया का सिर पर धरना ॥

बार बार आऊं तेरे द्वार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

तेरे दर पर आ बैठे है । प्रीत तुम से कर बैठे है ॥

तुम हो मेरे भगवान । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

तुमने पुकारा हम चले आये । भेंट चठाने कुछ नही लाये ॥

दिल ही करो स्वीकार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

भाव की माला भेंट चठायें । हाथ जोड़ कर शीश नवायें ॥

करे पुजा सत्कार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

कृपा तुम्हारी ऐसी पायें । जीवन भर कुछ नही मागें ॥

भरे रहे भण्डार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥

हम सब आये तेरे द्वार ...

हम को तो सुख भोग ही प्यारा । देना जिसमें हित हो हमारा ॥

तुम ही हो पालनहार । गुरुजी बेड़ा पार दो ॥ हम सब आये तेरे द्वार ..